[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5012 **K**

Unique Paper Code : 2052103501

Name of the Paper : **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. अरस्तू के अनुसार त्रासदी को विश्लेषित करते हुए उसके तत्वों को निरूपित कीजिए । (18)

अथवा

लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत का विस्तृत विवेचन कीजिए ।

2. वर्ड्सवर्थ के काव्य और काव्यभाषा संबंधी मान्यताओं को विश्लेषित कीजिए। (18)

P.T.O.

SRI AUROBINDO COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

अथवा

टी. एस. इलियट के निर्वेयक्तिकता के सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। (15)

3. यथार्थवाद को परिभाषित करते हुए उसके उद्‌भव और विकास को रेखंकित कीजिए। (18)

अथवा

संरचनावद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. प्रतीक की परिभाषा देते हुए काव्य में उसकी भूमिका पर प्रकाश डालिए। (18)

अथवा

मिथक की अवधारणा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (9+9=18)

(क) अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का महत्व

(ख) मुख्य कल्पना और गौण कल्पना

(ग) स्वच्छंदतावाद

(घ) विसंगति

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI